अहंकारी चुहिया

(शिक्षाप्रद कहानी)

11

बहुत समय पहले की बात है। गंगा के *तट* पर सात्विक मुनि का आश्रम था। मुनि बहुत ही सज्जन थे। वह हमेशा सभी की मदद करते थे। चाहे वह इंसान हो या पशु-पक्षी। मुनि प्रतिदिन स्नान के लिए गंगा नदी पर जाते थे।

एक दिन वे प्रतिदिन की तरह सुबह के समय गंगा में *स्नान कर* रहे थे। तभी ऊपर से उड़ती हुई चील की चोंच से एक घायल नन्हीं चुहिया उनके हाथों में आ गिरी। मुनि ने चुहिया को नदी किनारे पर छोड़ना चाहा, परंतु उन्होंने सोचा कि यदि चुहिया को नदी किनारे पर रखेंगे तो चील चुहिया को फिर से ले जाएगी। मुनि को चुहिया पर *दया* आई। उन्होंने घायल चुहिया को अपने साथ रखने का फैसला किया। उन्होंने उस

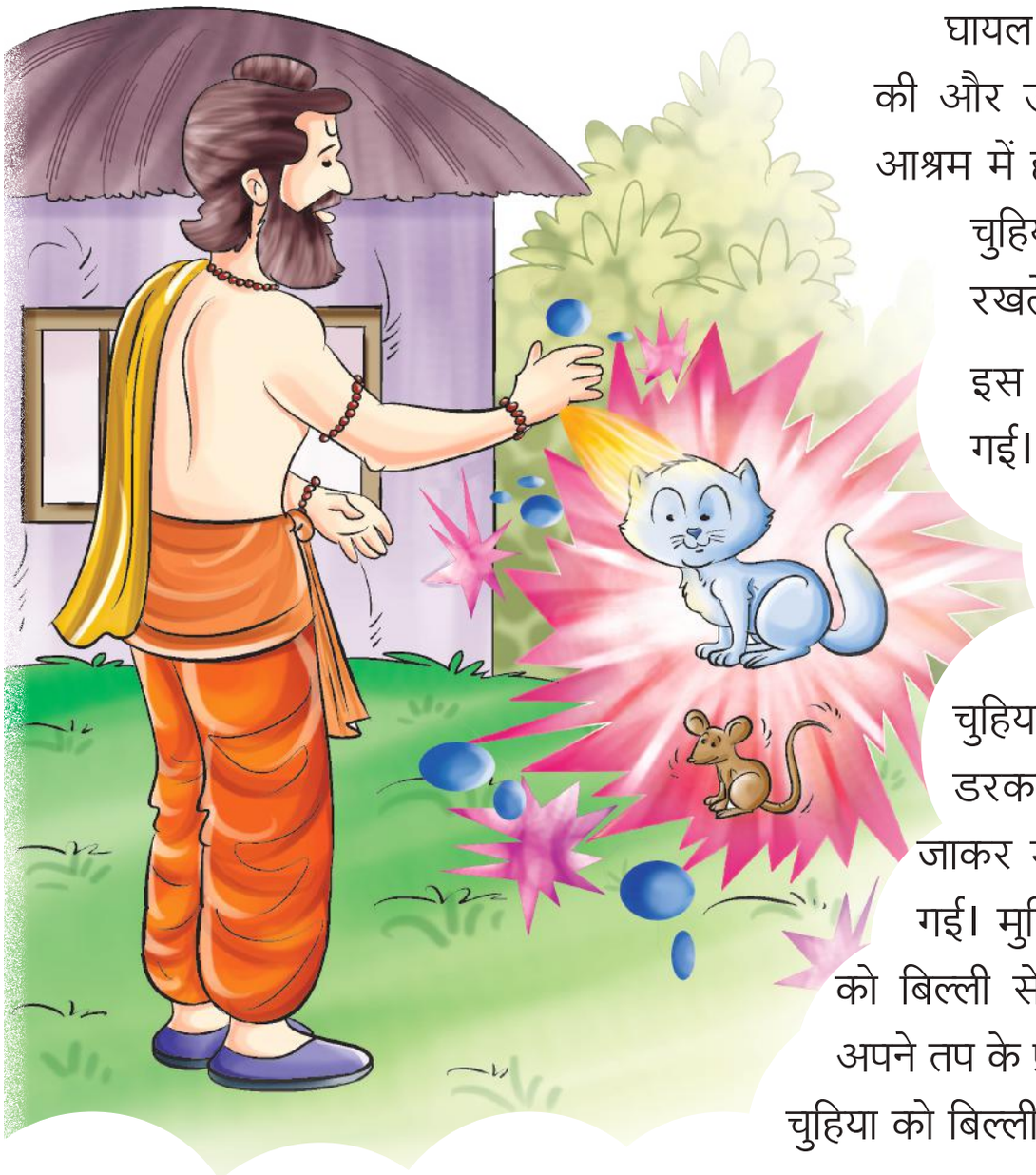

घायल चुहिया की बहुत सेवा की और उसे दाना-पानी देकर आश्रम में ही पाल लिया। वे उस चुहिया का बहुत ध्यान रखते थे।

इस तरह चुहिया बड़ी हो गई। एक दिन वह आश्रम में घूम रही थी। अचानक वहाँ बिल्ली आ गई और उस चुहिया पर झपटी। चुहिया डरकर भागने लगी और जाकर मुनि की गोद में छिप गई। मुनि ने देखा कि चुहिया को बिल्ली से खतरा है; इसीलिए अपने तप के प्रभाव से उन्होंने नन्हीं चुहिया को बिल्ली बना दिया।

बिल्ली बनने के बाद नन्हीं चुहिया ने बिल्लियों से डरना छोड़ दिया। अब वह बिल्लियों से पूरी तरह *भयमुक्त* हो चुकी थी। परंतु अब वह कुत्तों से डरने लगी। इस कारण मुनि ने अपने तप से बिल्ली बनी चुहिया को कुत्ता बना दिया।

कुत्ता बनने के बाद वह सारा दिन आश्रम में घूमता रहता था। वह आश्रम की रक्षा करता था। लेकिन वह कुत्ता शेर से बहुत डरता था। इसी कारण वह आश्रम से बाहर नहीं जाता था। उसके भय को दूर करने के लिए मुनि ने उसे शेर बना दिया। शेर बनने के बाद वह खुश था। वह निडर हो चुका था। अब वह सारा दिन आश्रम से बाहर घूमता रहता। अब उसको किसी का कोई भय नहीं था। वह बहुत घमंडी हो चुका था। वह मासूम जानवरों का शिकार

करता था। सभी जानवर अब उससे डरने लगे थे। सब उसे देखकर यही कहा करते थे कि छोटी-सी चुहिया को मुनि ने अपने तप के प्रभाव से शेर बना दिया। शेर जब यह सुनता तो उसे बहुत गुस्सा आता। यह सुनकर वह अपने-आप को बहुत अपमानित महसूस करता था।

उसने सोचा कि जब तक यह मुनि रहेगा, उसे यह अपमान बार-बार सुनते रहना पड़ेगा। इसीलिए उसने मुनि को मारने का विचार बनाया। एक दिन वह मुनि को मारने के लिए उन पर झपटा। मुनि उसके मन की बात जान गए तब मुनि ने उसे फिर से चुहिया बना दिया।

शिक्षा : नीच व्यक्ति को यदि ऊँचा पद दे दिया जाए, तो वह सबसे पहले अपने मालिक को ही निशाना बनाता है।

शब्द-भंडार

तट — किनारा *(bank)*,
दया — रहम *(pity)*,
स्नान करना — नहाना *(bathe)*,
भयमुक्त — निडर *(fearless)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

सात्विक	स्नान	फैसला	श्राप
रक्षा	ऊँचा	निशाना	प्रतिदिन

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) मुनि ने चुहिया को नदी के तट पर क्यों नहीं छोड़ा?

(ख) मुनि ने अपने तप से चुहिया को बिल्ली क्यों बना दिया था?

(ग) चुहिया में घमंड क्यों आ गया था?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) सात्विक मुनि का आश्रम कहाँ था?

☐ गंगा के तट पर ☐ यमुना के तट पर ☐ नदी के तट पर

(ख) मुनि कैसे व्यक्ति थे?

☐ डरपोक ☐ दयालु ☐ निडर

(ग) चुहिया जब चुहिया थी, तो वह किस जानवर से डरती थी?

☐ शेर ☐ कुत्ता ☐ बिल्ली

(घ) शेर मासूम जानवरों का शिकार क्यों करता था?

☐ घमंडी होने के कारण ☐ बचने के लिए ☐ मुनि के लिए

2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

चुहिया, भय, गंगा, मुनि, मारने

(क) मुनि प्रतिदिन स्नान के लिए ..... नदी पर जाते थे।

(ख) ..... उस चुहिया का बहुत ध्यान रखते थे।

(ग) उसके ..... को दूर करने के लिए मुनि ने उसे शेर बना दिया।

(घ) शेर मुनि को ..... के लिए उन पर झपटा।

(ङ) मुनि ने पुनः उसे ..... बना दिया।

3. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) मुनि को चुहिया पर दया आई। ☐

(ख) चुहिया पर बिल्ली झपटी। ☐

(ग) चुहिया बिल्ली बनने के बाद कुत्तों से भी नहीं डरती थी। ☐

(घ) शेर बनने के बाद चुहिया बहुत दयालु बन गई थी। ☐

(ङ) हमें अपने ऊँचे पद पर कभी घमंड नहीं करना चाहिए। ☐

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) मुनि का आश्रम कहाँ था?

(ख) मुनि ने चुहिया की जान क्यों बचाई?

(ग) नन्हीं चुहिया ने शेर बनने के बाद क्या किया?

(घ) नन्हीं चुहिया शेर बनने के बाद मुनि को क्यों मारना चाहती थी?

(ङ) इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

भाषा-ज्ञान

1. कठिन शब्दों का अभ्यास कीजिए–

(क) मुनि ....

(ख) आश्रम ....

(ग) भयमुक्त ....

(घ) घमंडी ....

कोई भी वर्ण या अक्षर अपने आप में पूर्ण नहीं होता है। जब उस वर्ण के साथ 'अ' लग जाता है तब वह पूरा हो जाता है।

जैसे– क् + अ = क ग् + अ = ग

2. इन शब्दों के लिंग बदलिए–

(क) चूहा ..... (ख) कुत्ता .....

(ग) शेर ..... (घ) आदमी .....

क्रियात्मक गतिविधि

- नीचे कुछ जानवरों के नाम दिए गए हैं। आप इनमें से जंगली और पालतू जानवरों को छाँटिए और सूची में उनके नाम भी लिखिए–

बिल्ली, शेर, कुत्ता, भालू, गाय, लोमड़ी, चीता, बकरी, भेड़िया, भैंस

जंगली जानवर	पालतू जानवर
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....